B. com - II By Dr. Manoj Kumar

उद्यमिता
(Entrepreneurship)

उद्यमिता से आशय नवीन उपक्रम की स्थापना करने, नियन्त्रण एवं निर्देशन करने की योग्यता, उपक्रम मे नये-नये सुधार एवं परिवर्तन करने की साहसिक क्षमता से है।

परिभाषा – "उद्यमिता एक गतिशील प्रक्रिया है जिसमे कोई व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का समूह किसी नवीन लाभप्रद व्यावसायिक इकाई की स्थापना करता है एवं उसका विकास करता है। वह नवाचार, जोखिम उठाकर, निर्णय तथा चुनौतियों को स्वीकार करके उसका संगठन, प्रबन्ध एवं संचालन करता है।

उद्यमिता की अवधारणा
(Concept of Entrepreneurship)

A → जोखिम उठाने की क्षमता की अवधारणा (Risk Bearing concept)

B → संगठन निर्माण योग्यता की अवधारणा (Concept of organisation building ability)

C → नवाचार सम्बन्धी अवधारणा (Concept as to Innovation)

Scanned with CamScanner

D → प्रबन्धकीय एवं नेतृत्व कौशल सम्बन्धी अवधारणा (Concept as to Managerial and Leadership Skill)

E → उच्च उपलब्धि की क्षमता सम्बन्धी अवधारणा (Concept as to Capacity of High achievement)

F → अवसरों को खोजने की प्रक्रिया सम्बन्धी अवधारणा (concept as to process for searching opportunities)

G → परिणाम-अभिमुखी अवधारणा (Result-Oriented Concept)

H → पेशेवर अवधारणा (Professional concept)

उद्यमिता की प्रकृति
(Nature of Entrepreneurship)

(I) उद्यमिता नवाचार योग्यता है।
(II) उद्यमिता सृजनात्मक प्रक्रिया है।
(III) उद्यमिता जोखिम वहन करने की क्षमता है।
(IV) उद्यमिता सार्वभौमिक क्रिया है।
(V) उद्यमिता अवसरों को खोजने की प्रक्रिया है।

Scanned with CamScanner

(VI) उद्यमिता परिणाम-अभिमुखी है।

(VII) उद्यमिता प्रबन्धकीय चातुर्य है।

(VIII) उद्यमिता का माध्यम प्रबन्ध है।

(IX) उद्यमिता एक प्रेरणात्मक क्रिया है।

(X) उद्यमिता ज्ञान पर आधारित है।

(XI) उद्यमिता सिद्धान्त है न कि अन्तर्ज्ञान।

(XII) उद्यमिता पर्यावरण की उपज है।

(XIII) उद्यमिता किसी व्यक्ति का लक्षण नहीं अपितु उसका व्यवहार है।

(XIV) उद्यमिता उच्च उपलब्धि की अभिलाषा का परिणाम है।

(XV) उद्यमिता उपक्रम की स्थापना एवं उसका संचालन है।

Scanned with CamScanner

उद्यमिता की भूमिका / आवश्यकता
(Need / Role of Entrepreneurship)

1. नवाचारो को प्रोत्साहन
2. सफल इकाईयो की स्थापना
3. आधुनिक आर्थिक विकास का चक्र
4. तीव्र आर्थिक विकास
5. नवीन बाजारो की खोज एवं विकास
6. संसाधनो का अनुकूलतम उपयोग
7. आत्मनिर्भर समाज की स्थापना
8. पूँजी निर्माण मे योगदान
9. राजकीय नीतियो एवं योजनाओ का क्रियान्वयन
10. पूँजी निर्माण मे योगदान

Scanned with CamScanner